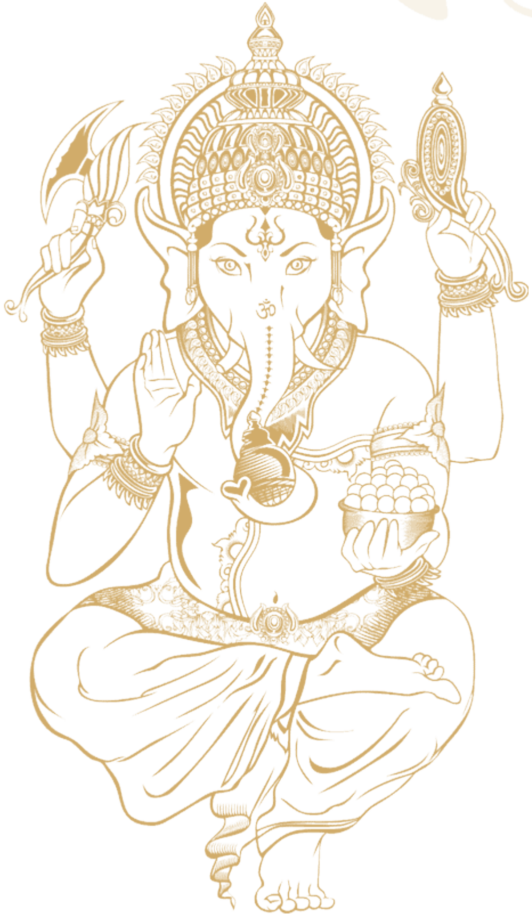

Yashpal

Aarti

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121640401

Order No: 121640401 Date: 19/03/2026

पुरुष	विवरण	स्त्री
पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/05/2004	जन्म तिथि	10/03/2026
शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 21:15:00	जन्म समय	19:00:00 घंटे
घटी 38:22:45	जन्म समय(घटी)	30:25:54 घटी
India	देश	India
Sojat Road	स्थान	Sojat River
25:48:00 उत्तर	अक्षांश	25:53:00 उत्तर
73:49:00 पूर्व	रेखांश	73:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:44	स्थानिक संस्कार	-00:35:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:53:53	सूर्योदय	06:49:56
19:09:03	सूर्यास्त	18:41:04
23:54:52	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:29
वृश्चिक	लग्न	कन्या
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
धनु	राशि	वृश्चिक
गुरु	राशि-स्वामी	मंगल
मूल	नक्षत्र	अनुराधा
केतु	नक्षत्र स्वामी	शनि
1	चरण	4
शिव	योग	वज्र
बव	करण	बव
ये-येरुसलम	जन्म नामाक्षर	ने-नैनी
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	कीटक
श्वान	योनि	मृग
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 5वर्ष 7मा 6दि		21:34:35	वृश्चि		लग्न		कन्या	00:48:56	शनि 0वर्ष 0मा 21दि	
शुक्र		23:29:36	मेष		सूर्य		कुंभ	25:45:23	शनि	
13/12/2009		02:39:59	धनु		चंद्र		वृश्चि	16:37:31	10/03/2026	
13/12/2029		06:16:13	मिथु		मंगल		कुंभ	12:03:11	01/04/2026	
शुक्र	13/04/2013	29:10:08	मीन		बुध	व	कुंभ	19:33:15		00/00/0000
सूर्य	14/04/2014	15:00:36	सिंह		गुरु	व	मिथु	20:51:48		00/00/0000
चन्द्र	13/12/2015	00:18:01	मिथु		शुक्र		मीन	10:53:28		00/00/0000
मंगल	11/02/2017	15:33:18	मिथु		शनि		मीन	08:39:26		00/00/0000
राहु	12/02/2020	17:19:39	मेष	व	राहु	व	कुंभ	14:40:03		00/00/0000
गुरु	13/10/2022	17:19:39	तुला	व	केतु	व	सिंह	14:40:03		00/00/0000
शनि	13/12/2025	12:25:01	कुंभ		हर्ष		वृष	03:45:02		00/00/0000
बुध	13/10/2028	21:27:09	मक		नेप		मीन	07:10:11		10/03/2026
केतु	13/12/2029	27:50:40	वृश्चि	व	प्लूटो		मक	10:33:15	गुरु	01/04/2026

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:54:52 चित्रपक्षीय अयनांश 24:13:29

लग्न-चलित

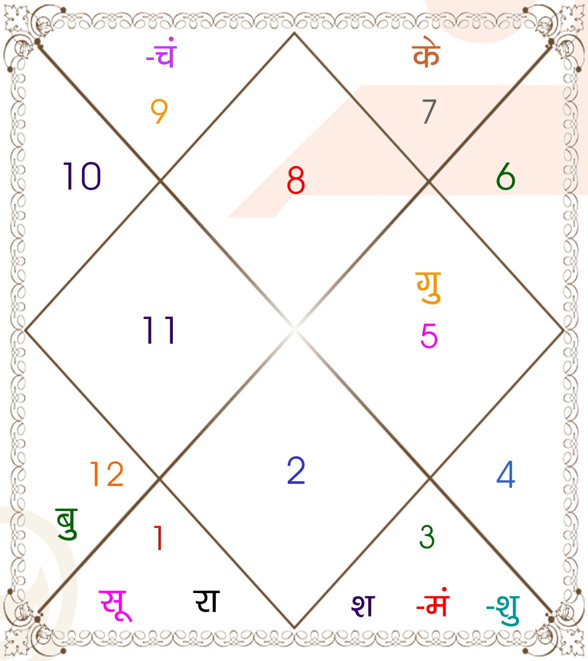

लग्न-चलित

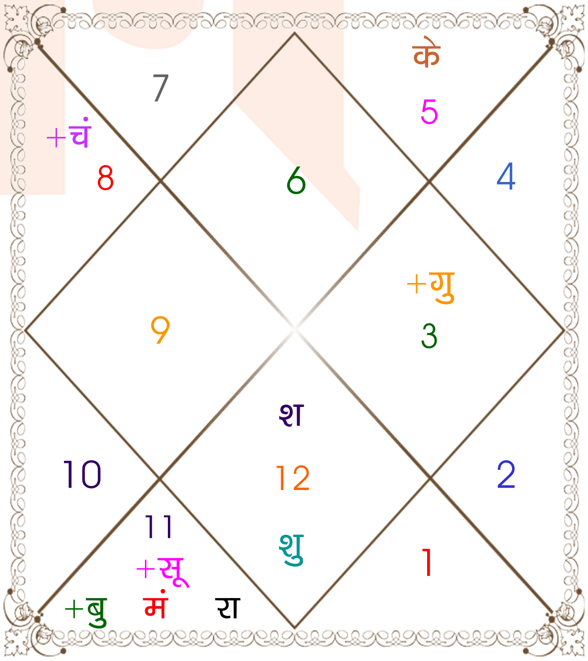

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मृग	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

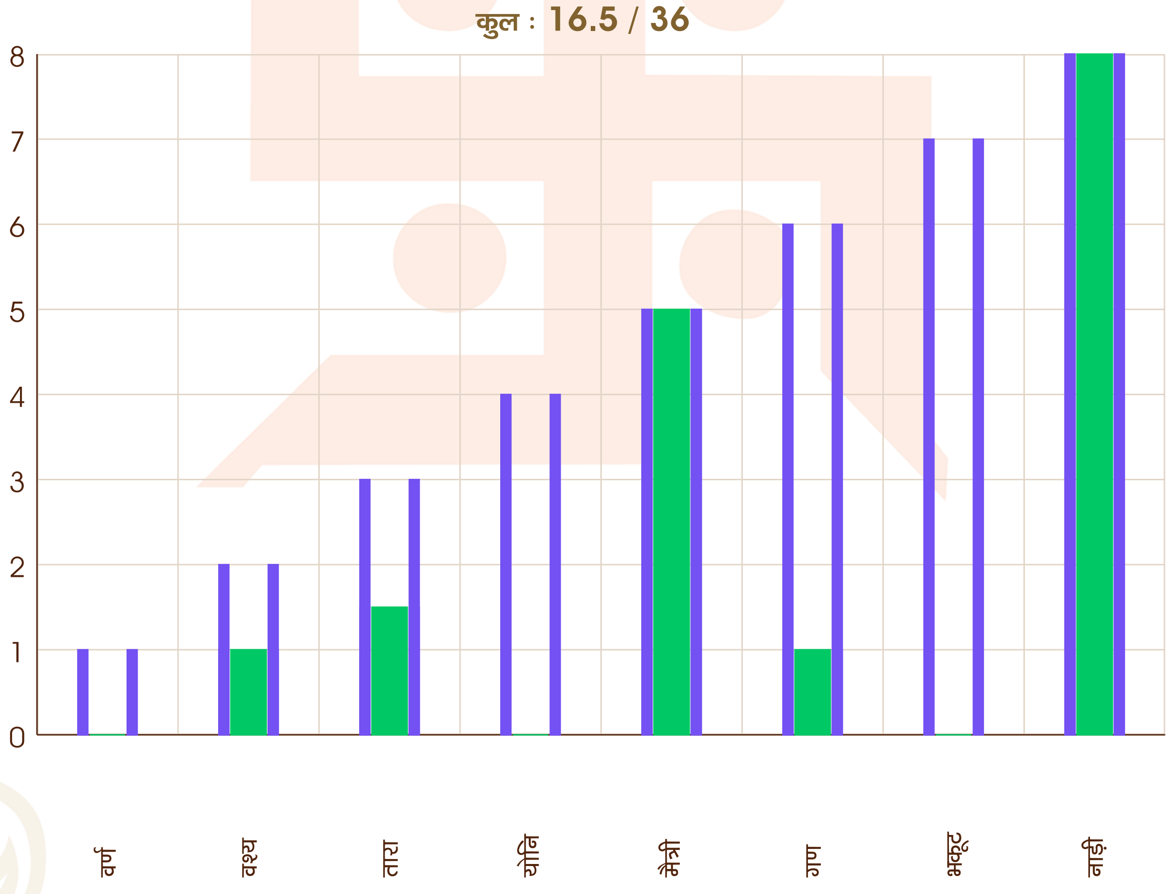

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

लैंचंस का वर्ग मृग है तथा Aarti का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लैंचंस और Aarti का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

लैंचंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Aarti मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Aarti कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

लैंचंस तथा Aarti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

लैचंस का वर्ण क्षत्रिय तथा Aarti का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही Aarti हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना लैचंस एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

वश्य

लैचंस का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Aarti का वश्य कीट है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। फलस्वरूप लैचंस एवं Aarti दोनों के बीच हितों का टकराव होता रहेगा साथ ही दोनों के बीच आपसी सहयोग, समझ एवं सामंजस्य का पूर्णतः अभाव बना रहेगा। कभी-कभी दोनों एक-दूसरे के शत्रु भी बन सकते हैं जिससे प्रगति एवं समृद्धि बाधित होती है। दोनों के बीच घमासान चलता रहेगा तथा तनाव एवं संदेह का माहौल कायम हो सकता है।

तारा

लैचंस की तारा विपत तथा Aarti की तारा मित्र है। लैचंस की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। लैचंस एवं लैचंस के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरुप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Aarti हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Aarti को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

लैचंस की योनि श्वान है तथा Aarti की योनि मृग है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में लैचंस एवं Aarti दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि लैचंस एवं Aarti के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण लैचंस एवं Aarti जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

लैचंस का गण राक्षस तथा Aarti का गण देव है। अर्थात Aarti का गण लैचंस के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण लैचंस निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही लैचंस का Aarti के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Aarti हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

लैचंस से Aarti की राशि द्वादश भाव में स्थित है Aarti से लैचंस की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में लैचंस परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु Aarti का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। Aarti की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही Aarti तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

लैचंस की नाड़ी आद्य है तथा Aarti की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

लैंचंस की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त धनु तथा Aarti की जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। अग्नितत्व एवं जलतत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Aarti और लैंचंस के मध्य स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन में परेशानियां होंगी। अतः मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

लैंचंस की राशि का स्वामी बृहस्पति तथा Aarti की राशि का स्वामी मंगल परस्पर मित्र है। अतः इसके प्रभाव से लैंचंस और Aarti के परस्पर संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति एवं समर्पण का भाव होगा। साथ ही एक दूसरे को सुख दुख में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। लैंचंस और Aarti सच्चे मित्र की तरह गुणों की परस्पर प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन में सुख शांति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति सम्मान जनक व्यवहार रहेगा।

लैंचंस और Aarti की राशियां परस्पर द्वादश एवं द्वितीय भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में अल्पता आएगी तथा आपसी संबंधों में समय समय पर तनाव एवं कटुता का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे वैमनस्य एवं विरोध के भाव में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपसी दृष्टि कोण आलोचना तथा श्रेष्ठता का रहेगा फलतः वैवाहिक जीवन में सुख एवं शांति के क्षणों की न्यूनता रहेगी। यदि लैंचंस और Aarti सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तो इसमें किंचित शुभता आ सकती है।

लैंचंस का वश्य मानव तथा Aarti का वश्य कीट है। मानव और कीट में नैसर्गिक शत्रुता तथा विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं अलग अलग रहेंगी फलतः काम संबंधों में एक दूसरे को सन्तुष्ट तथा प्रसन्न करने में असमर्थ होंगे जिससे जीवन में परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

लैंचंस का वर्ण क्षत्रिय तथा Aarti का वर्ण ब्राह्मण है। अतः लैंचंस पराक्रमी एवं साहसिक कार्यो को सम्पन्न सम्पन्न करेंगे परन्तु Aarti की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों में रहेगी फलतः यदा कदा कार्य क्षमता में असमानता के कारण परेशानी हो सकती है।

धन

लैंचंस और Aarti दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। लैंचंस और Aarti दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन में परिश्रम की बहुलता रहेगी लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से लैचंस की प्रवृति व्ययशील होगी। वह जुआ सट्टा लाटरी आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी तथापि लैचंस को ऐसी प्रवृतियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

लैचंस का आद्य तथा Aarti की मध्य नाड़ी में जन्म हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं होगा लेकिन मंगल के दुष्प्रभाव से Aarti को समय समय पर स्वास्थ्य संबधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसके प्रभाव से साथ ही गुप्त रोग या अन्य रक्त अथवा पित संबधी परेशानियां समय समय पर उत्पन्न होंगी। इसके अतिरिक्त मासिक धर्म की अनियमिता से भी वे कष्ट की प्राप्ति करेंगी। अतः इसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए Aarti को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से लैचंस और Aarti का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त लैचंस और Aarti के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Aarti के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Aarti को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Aarti को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से लैचंस और Aarti सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार लैचंस और Aarti का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Aarti के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Aarti के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Aarti अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं

सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Aarti के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

लैचंस तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में लैचंस के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से लैचंस के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण लैचंस के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।